S-I/3/1127/17

प्रथमसत्रार्द्धम्

तृतीयपत्रम्

हिन्दी अनिवार्य

पृष्ठानि- 12

परीक्षार्थिनं प्रति निर्देशाः

(छात्रैः ध्यानेन पत्रनाम विषयनाम च स्पष्टतया लेखनीयम्)

अस्मिन् भागे अनुक्रमाङ्कः केन्द्रनाम संख्येत्यादिकं किमपि न लेखनीयम्। परीक्षार्थी लेखनात् पूर्वं रिक्तस्थानानि पूरयतु। पृष्ठभागे प्रदत्तान् निर्देशांश्च सावधानतया पठतु, दृढतया च पालयतु। ये छात्राः सावधानेन निर्देशानुरूपं न प्रपूरयिष्यन्ति तेषाम् उत्तरपुस्तिका निरस्ता भविष्यति।

छात्रैः ध्यानेन स्पष्टतया लेखनीयम्

परीक्षाकेन्द्रनाम

गूढाङ्कः
छात्रेण न लेखनीयः

अनुक्रमाङ्कः (अंकेषु).....

अनुक्रमाङ्कः (शब्देषु) .....

कक्षा.....वर्षनाम.....

विषयः.....पत्रसंख्या.....

प्रश्नपत्रकोड.....

दिनाङ्कः.....दिनम्.....

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम्

पूर्णनाम.....

निरीक्षकहस्ताक्षरम्

पूर्णनाम .....

दिनाङ्कः .....समयः.....

कक्षानाम.....वर्षनाम.....

विषयः .....पत्रसंख्या .....पत्रकोड.....

दिनाङ्कः .....दिनम्.....

गूढाङ्कः
छात्रेण न लेखनीयः

प्रश्नाङ्काः	1	2	3	4	5	6	7	8	योगः
प्राप्ताङ्काः									
प्रश्नाङ्काः	9	10	11	12	13	14	15		अ
प्राप्ताङ्काः									
प्रश्नाङ्काः	16	17	18	19	20				अ/ब
प्राप्ताङ्काः									
प्रश्नाङ्काः	21	22	23	24	25	ब योगः	26		स
प्राप्ताङ्काः									

सम्पूर्णयोगः शब्देषु..... पूर्णयोगः

ह० गणकस्य
पूर्णनाम

ह० मुख्यपरीक्षकस्य
पूर्णनाम

ह० परीक्षकस्य
पूर्णनाम

प्रथमसत्रार्द्धम्

तृतीयपत्रम्

हिन्दी अनिवार्य

समय: तीन घन्टा

पूर्णाङ्का: 80

(15×2=30)

अ. किन्हीं पंद्रह प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आदिकाल का समय कब से कब तक मानते हैं?

उ० .....

.....

.....

2. 'हाथी चढ़िए ज्ञान की' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उ० .....

.....

.....

3. 'बुधि मेरी किरषी, गुर मेरो बिझका आखिर दोउ रखवारे।' इस पंक्ति का अर्थ क्या है?

उ० .....

.....

.....

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए -

(क) अचिरज (ख) बरिया

(ग) लाहा (घ) पखा-पखी

उ० .....

.....

.....

5. कबीर के गुरु का क्या नाम था?

उ० .....

.....

.....

6. 'पुष्प वाटिका प्रसंग' रामचरित मानस के किस काण्ड में है?

उ० .....

.....

.....

7. राम और लक्ष्मण किसके साथ अयोध्या गए थे?

उ० .....

.....

.....

8. सूरदास के काव्य का अंगी रस' क्या है?

उ० .....

.....

.....

9. अष्टछाप की स्थापना किसने किया?

उ० .....

.....

.....

10. बल्लभाचार्य का संबंध भक्ति के किस मार्ग से है?

उ० .....

.....

.....

11. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए -

(क) दवानल (ख) टेकि

(ग) खेप (घ) अजानी

अथवा

रामचरित मानस किस परंपरा का काव्य है?

उ० .....

.....

.....

12. कृपा-डोरि, बंशी-पद अंकुस परम प्रेम मृदु चारो।' का क्या अर्थ है?

अथवा

'थके नयन रघुपति-छबि देखे।' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उ० .....

.....

.....

13. भवबाधा का क्या अर्थ है?

अथवा

बिहारी किस रस के कवि माने जाते हैं?

उ० .....

.....

.....

.....

14. **यहाँ की भूमि अच्छी है**, में सर्वनाम शब्द क्या है?

अथवा

विशेषण किसे कहते हैं?

उ० .....

.....

.....

.....

15. क्रिया की परिभाषा लिखिए।

अथवा

पुरुषवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं?

उ० .....

.....

.....

.....

(5×6=30)

ब. किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

16. संज्ञा किसे कहते हैं? उसके सभी भेदों को सोदाहरण समझाइए।

अथवा

गुणवाचक विशेषण की परिभाषा देते हुए उसके अंगों पर प्रकाश डालिए।

उ० .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

17. सूरदास अथवा तुलसीदास का जीवन परिचय लिखिए।

उ० .....

.....

.....

.....

.....

18. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

सोहत ओढ़े पीतु पर स्याम सलोने-गात। मानो नीलमनि सैल पर आतप परयो प्रभात॥

बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकइ। सौंह करे भौंहनि हँस देन कहे नटि जाइ॥

उ०

.....

.....

.....

19. तुलसीदास की भक्ति भावना को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'सूरदास' का संपूर्ण काव्य निर्गुण पर सगुण के विजय का काव्य है।' इस उक्ति को तर्क देकर सिद्ध कीजिए।

उ० .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

20. कबीर की कविता के आधार पर सतगुरु की महिमा का वर्णन कीजिए।

अथवा

सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

अबिगत–गति कछु कहत न आवे।
ज्यों गूँगे मीठे फल को रस अंतरंग ही भावे
परम स्वाद सबही सु निरंतर अमित तोष उपजावे॥
मन बानी को अगम अगोचर जो जाने सो पावे।
रूप रेख गुन जाति जुगति बिन निरालंब कित धावे॥
सब बिधि अगम विचारहि ताते सूर सगुम पद गावे।

उ० .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

स. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10×2=20)

21. 'पुष्प वाटिका प्रसंग' को केन्द्र में रखते हुए तुलसीदास की काव्य कला पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सूरदास के काव्य में भक्ति, वात्सल्य एवं शृंगार की त्रिवेणी धारा प्रवाहित होती है। इसे उदाहरण सहित समझाइए।

उ० .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

22. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

लोका मति के मोरा रे।

जो कासी तन तजे कबीरा तौ रामहि कहाँ निहोरा रे।

तब हम वैसे अब हम ऐसे इहे जनम का लाहा॥

ज्यूँ जल में जल पैसि न निकसे यूँ ढुरि मिले जुलाहा।

राम भगति पर जाको हित चित ताको अचरज काहा॥

गुरु प्रसाद साध की संगति, जग जीते जाई जुलाहा।

कहे कबीर सुनहु रे संतो भुमि परे जिनि कोई रे।

जस कासी तस मगहर उसर, हृदय राम सति होई रे॥

अथवा

भारत में डिजिटल इण्डिया प्रोग्राम कितना कारगर हुआ है? इसकी उपलब्धियों और सीमाओं को रेखांकित करें।

उ० .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....